प्रशिक्षण दर्पण

त्रैमासिक पत्रिका

क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, मध्य रेल, भुसावल - 425203

अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता आय.एस.ओ. 9001:2008 प्रमाणित प्रथम क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान

फोन - 02582-222678/224600 फैक्स - 02582-222678

रेलवे - 54900/54918/54920 ई-मेल - zrtibsl@gmail.com

वर्ष - पंचम अंक - बीसवां अप्रैल से जून 2011

मुख्य संपादक की कलम से

संस्थान की पत्रिका प्रशिक्षण दर्पण का यह अंक प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है। सेक्शन केपेसिटी बढ़ाने के उद्देश्य से लांग हॉल ट्रेन चलाने की शुरूआत की गई है जिसके संयुक्त प्रक्रिया आदेश इस पत्रिका के माध्यम से लोको पायलट, गार्ड, स्टेशन मास्टर सभी के लिए ज्ञानवर्धक होंगे। राजभाषा पुरस्कार व प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी भी सभी पाठकों के लिए लाभदायक होगी। रिफ्रेशर पाठ्यक्रमों में स्टडी टूर की शुरूआत की गई है जो निश्चित ही प्रायोगिक ज्ञान बढ़ाने एवं नई तकनीक को जानने के क्षेत्र में लाभदायक सिद्ध होगा।

पत्रिका के संपादक मंडल को मैं बधाई देता हूं एवं पत्रिका को बेहतर बनाने हेतु प्रबुद्ध पाठकों के सुझाव आमंत्रित करता हूं।

शुभकामनाओं सहित ।

के.एम सक्सैना
प्राचार्य

मध्य रेल पर लॉंग हॉल ट्रेन चलाने के लिए संयुक्त प्रक्रिया आदेश

(संदर्भ- मुख्य परिचालन प्रबंधक, मुम्बई कार्यालय के पत्र सं. No. T, 83. M.Long. haul. Trains, दिनांक-28.01.2011)

कमलेश कुमार (वरि. प्रशिक्षक C&W)

1. सामान्य :-

1.1- 42 BCN / 59 BOXN/ 45 BLC/ 50 BTPN / 45 BRN/ 45 BOST सभी विभिन्न प्रकार के स्टॉक को मिलाकर मध्य रेल पर खाली/लोडेड लॉंग-हॉल रेको को चलाने के लिए दो अलग-अलग रेको को मिलाकर लॉंग-हॉल चलाना प्रस्तावित है जिसमें निम्नलिखित का मिलाप होगा।

(i) दो लोडेड रेक (ii) दो खाली रेक या (iii) एक लोडेड और एक खाली रेक

1.2. मध्य रेल के **DC** सेक्सन, मुंबई मंडल का घाट सेक्सन (कसारा-इगतपुरी और कर्जत- लोनावाला) नाग़पुर मन्डल का (धाराकोह-मरमझरी और तिग़ांव-चिंचोंदा) को छोड़कर सभी सेक्सनों में लॉंग हॉल ट्रेन चलेगी।

1.3- लॉंग हॉल गाड़ीयां 'मारूती, इस नाम से चलेगी जो गाड़ी संख्या के पहले यह शब्द लगाया जाएगा। स्टेशन मास्टर पास वाले स्टेशन से लाइन क्लीयर पुछने से पहले लॉंग हॉल के बारे में उल्लेख करेगा और कंट्रोल चार्ट पर भी सेक्शन कंट्रोलर द्वारा इसका उल्लेख किया जाएगा।

2. कैरेज एवं वैगन -

2.1- दो रेकों को मिलाकर लॉंग हॉल गाड़ी के लिए दो अलग-अलग वैध बी.पी.सी. को मिलाकर एक गाड़ी होगी।

2.2- इन गाड़ियों के सुरक्षित परिचालन के लिए सी. एंड. डब्ल्यु कर्मचारी अलग एअर प्रेशर कंटीन्युटी प्रमाणपत्र जारी करेंगे और यह परीक्षण गाड़ी प्रस्थान के पूर्व किया जाएगा।

2.3- लॉंग हॉल गाड़ियों के लिए प्रस्थान के समय कम से कम 95% ब्रेकपावर और चलते समय 90% ब्रेक पावर होनी चाहिए। सवारी तथा मालडिब्बा कर्मचारी सी.बी.सी. की योग्य लॉकिंग जाँच करेंगे।

2.4- गाड़ी प्रस्थान से पूर्व इंजन में कम से कम बी.पी. प्रेशर 5 कि.ग्रा/ वर्ग से.मी. और ब्रेक यान में 4.6 कि.ग्रा/ वर्ग से.मी. होना चाहिए। यदि लोको पिछले ब्रेक यान में 4.6 कि.ग्रा/ वर्ग से.मी प्रेशर बनाने में असमर्थ रहा तो पिछले ब्रेक यान में 4.4 कि.ग्रा/ वर्ग से.मी प्रेशर आने पर लोड को चलाने की अनुमती दी जाएगी और उस समय गाड़ी की गति 45 Kmph होगी, जिसमे गाड़ी नियंत्रण में सुविधा हो

2.5- यदि आठ पहिया ब्रेकयान उपलब्ध हो तो खाली रेकों के बीच लगाया जाय। लेकिन यदि दोनों ब्रेक यान चौपहिया हो तो गाड़ी के अंत में जोड़े जाये

2.6- मारूती के लोको पायलट एवं गार्ड के पास होज पाईप, नकल, नकल पिन, पाइप स्पैनर, हैमर, चिजल आदि उपकरण होने चाहिए। इनकी आपूर्ति सवारी तथा माल डिब्बा कर्मचारियों द्वारा की जाएगी।

2.7- लॉंग हॉल गाड़ियों में हॉट-एक्सल, फ्लैट टायर आदि के कारण वैगन को अलग करना हो तो मंडल द्वारा सामान्य एवं सहायक नियमों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

3. लोको-

3.1- लॉंग हॉल गाड़ियों के लिए WDG3A / WAG-5/ WAG-7 के मल्टीपल लोको उपयोग किए जाएंगे।

3.2- खाली रेक के पीछे अकेला WDG3A / WAG-5/ WAG-7 लोको और लोडेड रेक के पीछे मल्टीपल युनिट वाले WDG3A/WAG-5 लोकों दो रेको के बीच लगाये जायेंगे। गाड़ी का सम्पूर्ण कर्मीदल वाकी-टाकी के माध्यम से एक दूसरे के संपर्क में रहेगा। उपर उल्लेखीत लोको के अतिरिक्त अन्य लोको को भी इन गाड़ियों के लिए उपलब्ध किए जा सकते है।

3.3- यह सुनिश्चित किया जाए कि लोकोमोटिव का डायनामिक ब्रेकिंग कार्यरत है।

3.4- A तथा **B** सेफ्टी कैटेगरी में चुने लोको पायलट सेक्सन में भली भॉति परिचित और पर्याप्त अनुभवीं चालक लॉग हॉल गाड़ियों के लिए नामित किए जाए। ऐसे लोको पायलटों के नाम क्रु बुकिंग लॉबी में प्रदर्शित किए जाए।

3.5- ब्रेक लगाने के बाद गाड़ी फिर से चलाने के पूर्व लोको पायलट यह सुनिश्चित करें कि इंजन और ब्रेकयान में बी.पी. प्रेशर फिर से प्राप्तकर लिया है। पिछले ब्रेकयान का गार्ड आगे के लोको के लोको पायलट को यह जानकारी देगा। सेक्सन में गाड़ी दुबारा चलाने के लिए कम से कम 5 मिनट का रिलीज समय लोको पायलट द्वारा देना चाहिए।

3.6- आगे के लोको मोटिव में कुल 5 **CP (3L+2T)** ऑन स्थिती में होंगे और चार्ज करेंगे। मारूती रेक के बीच वाले लोको के **L&T** कॉक आइसोलेट रहेंगे ताकि उनके द्वारा बी.पी. प्रेशर चार्ज नही होगा।

3.7- सतर्कता आदेश का पालन करते समय लोको पायलट गाड़ियों के ब्रेक का जहॉ तक संभव हो कम से कम प्रयोग करेंगे तथा यथोचित नॉच कम करके या बढ़ाकर रियोस्टेटीक ब्रेकिंग द्वारा गाड़ियों की गति पर नियंत्रण करेंगे। रियोस्टेटीक ब्रेकिंग लगाते समय एवं उससे निकलते समय पहले 2 नॉचेस ग्रेजुअली 10 से 20 सेकेंड में लें।

3.8- दो लोडेड या एक लोडेड और एक खाली रेक की गाड़ी को चालु करते समय बीच वाला लोको पायलट प्रथमतः 2 नॉच लेगा और इसकी सूचना वॉकी-टॉकी द्वारा अगले लोको पायलट को देगा। इसके बाद प्रथम लोको पायलट नॉच बढ़ाना आरंभ करेगा तथा बीच वाला इसके साथ सहकार्य करेगा। बैंकर के मामले में बैंकर का लोको पायलट नॉच लेंगा।

3.9- किसी भी कारण से लॉग हॉल गाड़ी के लोको को बदली किया जाता है ऐसे समय पूरे लोड के एयर ब्रेक मैनुअली रिलीज किया जाए, जिससे ब्रेक बाईडिंग़ टाली जायेगी।

4. संचार व्यवस्था -

4.1- लॉग हॉल में कार्यरत सभी कर्मीदल गाड़ी चालू करने से पूर्व सुनिश्चित करेंगें कि उनके वॉकी-टॉकी सेट्स सही कार्यरत है एवं लॉग हॉल गाड़ी में आगे से पीछे तक संचार स्मूथ हो रहा है। वे वॉकी-टॉकी का प्रयोग सिग्नलों का आदान प्रदान करने के लिए कर सकते है क्योंकि लॉग हॉल गाड़ियों की लंबाई अधिक होने के कारण गाड़ी की दृश्यता कम हो जाती है।

4.2- लॉग हॉल गाड़ी आरंभिक स्टेशन से लोको पायलट एवं गार्ड द्वारा सिग्नलों का आदान-प्रदान करना संभव न हो तो वॉकी-टॉकी का प्रयोग किया जा सकता है। (सुरक्षा सलाहकार रेलवे बोर्ड का दिनांक 10.03.2010 का पत्र संख्या 2009/सेफ्टी(**A& R) 19/ 29**)

4.3 - मंडल यह सुनिश्चित करेगा कि 15 कि.मी. तक कार्य करने वाले वॉकी-टॉकी लॉग-हॉल गाड़ी पर कार्य करने वाले कर्मीदल को उपलब्ध कराएंगें।

4.4- गाड़ी चलते समय वॉकी-टॉकी द्वारा संचार स्थापित नहीं होता है तो अगले स्टेशन पर गाड़ी रोककर उसे आगे चलने नही दिया जायेगा।

4.5- संचार के सभी साधन खराब होने पर या अस्थायी एकहरी लाईन वर्कींग के दौरान लॉग-हॉल गाड़ी नही चलाई जाएगी।

5. परिचालन (यातायात) -

5.1- लॉग-हॉल गाड़ी एक ही लाइन क्लीयर पर चलाई जायेगी। टेल बोर्ड/ टेल लैंप सबसे पिछले वाहन पर लगाया जायेगा। टेल बोर्ड/ टेल लैंप बीच वाले ब्रेक यान पर नहीं लगाया जायेगा।

5.2- एअर प्रेशर प्रथम लोको द्वारा निर्माण किया जायेगा। बीच वाले या बैंकर लोको बी.पी. चार्ज नही करेगा। प्रथम लोको का लोको पायलट ही गाड़ी में ब्रेक लगायेगा। बीच वाले या बैंकर लोको के लोको पायलट प्रथम लोको पायलट द्वारा ब्रेक लगाने पर अपना लोको आयडल पर लायेंगे।

5.3- लोडेड लॉग-हॉल मारूती की अधिकतम गति 55 KMPH या खाली लॉग-हॉल स्टॉक/ लोको की बुकड गति के अनुसार होगी बशर्ते उस समय लागु सभी गति प्रतिबंधो का पालन किया जाएगा।

5.4- बीच वाले या बैंकर लोको के लोको पायलट गाड़ी को प्रथम लोको के लोको पायलट से समन्वय रखते हुए उसकी आवश्यकतानुसार लोड को ढ़केलेंगे।

5.5- अंतिम ब्रेक यान का गार्ड लॉग-हॉल का प्रभारी होगा तथापि बीच वाले ब्रेक यान में भी गार्ड को रखा जाएगा।

5.6- लॉग हॉल गाड़ी का गार्ड गाड़ी की शंटिंग के उपरांत, गाड़ी स्टेबल किए जाने पर पिछले हिस्से को रोल-डाउन होने से बचाने हेतु गाड़ी की सुरक्षा (हैंड ब्रेक लगाकर) सुनिश्चित करेगा।

5.7- गाड़ी का गार्ड वॉकी-टॉकी पर लोको पायलट के साथ गति प्रतिबंध पार करने की सूचना और क्रास ओवर पार करने की सूचना देगा।

5.8 लॉग-हॉल गाड़ी, मेल/ एक्स्प्रेस गाड़ियों के समय के 45 मिनट के अंतराल से चलायी जायेगी ताकि मेल/ एक्स्प्रेस गाड़ीयों के समय पालन पर इसका प्रभाव न पड़े।

5.9- जहाँ तक संभव हो सेक्शन कंट्रोलर लॉग-हॉल गाड़ियों को थ्रू लाईन क्लीयर दें, ताकि पिछली गाड़ियों की रूकावट को टाला जा सके।

5.10- लॉग-हॉल गाड़ी चलाने के लिए, संचालन के लिए बने सामान्य एवं सहायक नियम लागु होंगे।

5.11- रेक बनाते समय यह ध्यान रखा जाय कि लोडेड रेक को पहले तथा खाली रेक को बाद में लगाया जाय।

रेल सप्ताह

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी रेल सप्ताह दिनांक 10 अप्रैल से 16 अप्रैल तक मनाया गया। इस अवसर पर सभी संकायों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। रेल सप्ताह के समापन अवसर पर सराहनीय कार्य करने वाले प्रशिक्षकों व कर्मचारियों को पुरस्कार वितरित किये गये।

अंबेडकर जयंती

14 अप्रैल 2011 को भारत रत्न डा. बाबासाहेब अंबडकर की 120 वी जयंती के अवसर पर संस्थान में उनकी प्रतिमा पर माननीय प्राचार्य एवं संकाय अधिकारियों द्वारा माल्यार्पण किया गया व उनके जीवन चरित्र पर श्री अरूण प्रताप श्रीराम स.मं.वि.इंजी. ने प्रकाश डाला ।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

दिनांक 12.5.11 को स.मं.वि.इंजी के नेतृत्व में कौमी एकता पर लोको संकाय की तरफ से लघु नाटिका का मंचन किया गया।

दिनांक 02.5.2011 को संस्थान की महिला प्रशिक्षार्थियों ने महिलाओं पर दहेज संबंधी हो रहे अत्याचारों को दूर करने हेतू इस विषय पर लघुनाटिका प्रस्तुत की जिसमें महिला शक्ति को चरितार्थ किया गया। इस नाटिका को सभी के द्वारा सराहा गया

आतंकवाद विरोध दिवस

दिनांक 21.5.2011 को भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी जी की पुण्य तिथि पर प्राचार्य महोदय ने सभी प्रशिक्षार्थियों, प्रशिक्षकों एवं अधिकारियों को आतंकवाद व हिंसा का डटकर विरोध करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर संस्थान में कौमी एकता सप्ताह भी मनाया गया।

राजभाषा प्रश्न मंच

दिनांक 29.4.2011 को राजभाषा विभाग द्वारा प्रश्न मंच का आयोजन किया। जिसमें राजभाषा, संस्थापन, एवं सामान्य ज्ञान पर आधारित प्रश्नों का समावेश किया गया। राजभाषा संपर्क अधिकारी श्री एस.टी.बाविस्कर ने मंच संचालन व प्रश्न संकलित कर इसे सभी के लिए ज्ञानवर्धक व प्रभावी साबित किया। राजभाषा विभाग द्वारा सभी संकायों की पाठ्य सामग्री हिन्दी में तैयार करने वाले प्रशिक्षकों को पुरस्कृत भी किया। हिन्दी में 20000 / 10000 वाली प्रतियोगिता में भाग लेने वाले कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया।

हिन्दी पुरस्कार / प्रोत्साहन योजनाएं – ज्वाला प्रसाद (व.या.प्रशि.)

	पुरस्कार का नाम	विधाएं	संख्या	राशि
1	राजीव गाँधी ज्ञान-विज्ञान	तकनीकी / वैज्ञानिक विषयों पर मौलिक पुस्तक लेखन	प्रथम (एक)	2 लाख
			द्वितीय (एक)	1.25 लाख
			तृतीय (एक)	75000
			सांत्वना (दस)	10000
2	इंदिरा गाँधी राजभाषा पुरस्कार	सरकारी कार्य से संबंधित मौलिक पुस्तक लेखन हेतु	प्रथम (एक)	40,000
			द्वितीय (एक)	30,000
			तृतीय (एक)	20,000
			प्रोत्साहन एक	2,500
3	लालबहादुर शास्त्री पुरस्कार	तकनीकी रेल विषयों पर मौलिक पुस्तक लेखन हेतु	प्रथम (एक)	15,000
			द्वितीय (एक)	7,000
			तृतीय (एक)	3,300
4	प्रेमचंद पुरस्कार	कथा/कहानी संग्रह एवं उपन्यास के लिए	प्रथम (एक)	15,000
			द्वितीय (एक)	7,000
			तृतीय (एक)	3,300
5	मैथिली शरण गुप्त पुरस्कार	काव्य / गजल संग्रह के लिए	प्रथम (एक)	15,000
			द्वितीय (एक)	7,000
			तृतीय (एक)	3,300
6	20/10 हजार शब्द योजना	गृह मंत्रालय की 20/10 हजार शब्द या इससे अधिक लिखने पर।	प्रथम (दो)	800
			द्वितीय (तीन)	400
			तृतीय (पाँच)	300
7	रेलमंत्री हिंदी निबंध प्रतियोगिता	रेल संचालन से संबंधित किसी भी विषय पर राजपत्रित एवं अराजपत्रित	प्रथम (1+1)	6,000
			द्वितीय (1+1)	4,000
8	रेलवे बोर्ड की राजभाषा व्यक्तिगत नकद पुरस्कार योजना	सरकारी कामकाज में हिंदी का अधिकाधिक व प्रशंसनीय प्रयोग के लिए अधिकारी एवं कर्मचारियों को।	मध्य रेल के लिए (सात)	1,500
9	क्षेत्रीय स्तर पर सामूहिक पुरस्कार याजना		प्रथम (छह) द्वितीय (पाँच) तृतीय (पाँच)	1500 1200 800

	पुरस्कार का नाम	विधाएं	संख्या	राशि
10	रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार	रेल कर्मियों सहित जनसाधारण के रेल यात्रा संबंधी अनुभव	प्रथम (एक)	4,000
			द्वितीय (एक)	3,000
			तृतीय (एक)	2,000
11	हिंदी में टिप्पणी, तथा प्रारूप लेखन	हिंदी निबंध/वाक /टिप्पण एवं प्रारूप लेखन के लिए अखिल रेल स्तर पर	प्रथम (एक)	3,000
			द्वितीय (एक)	2,500
			तृतीय (एक)	2,000
			सांत्वना(पांच)	1,500
12	हिंदी में टिप्पणी, तथा प्रारूप लेखन	मुख्यालय/क्षेत्रीय स्तर पर	प्रथम (एक)	1,200
			द्वितीय (एक)	1,000
			तृतीय (एक)	900
			सांत्वना(तीन)	250
13	हिंदी में टिप्पणी, तथा प्रारूप लेखन	मंडल/कारखाना स्तर पर	प्रथम (एक)	500
			द्वितीय (एक)	400
			तृतीय (एक)	300
			सांत्वना (दो)	150
14	क्षेत्रीय स्तर पर नकद पुरस्कार	प्रत्येक विभाग /मंडल/कारखाना से	अधिकारी - 1	500
			कर्मचारी- 2	200
15	हिंदी में डिक्टेशन देने वाले अधिकारी को पुरस्कार		हिंदी भाषी	1,000
			अंहिंदी भाषी	1,000
16	अंग्रेजी टंककों को हिंदी में कार्य		प्रतिमाह	80
17	अंग्रेजी आशुलिपिकों को हिंदी में कार्य		प्रतिमाह	120
18	विभिन्न कार्यालयों एवं स्टेशनों में हिंदी पुस्तकालय का कार्य		प्रतिमाह	500
19	राजभाषा समितियों का कार्य हिंदी सचिव के रूप में मानदेय		प्रतिमाह	300
20	मुख्यालय स्तर पर मुख्य राजभाषा अधिकारी के रूप में मानदेय।		प्रतिमाह	600
21	मंडल स्तर पर अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी के रूप में मानदेय।		प्रतिमाह	300
22	कारखाना स्तर पर अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी के रूप में मानदेय।		प्रतिमाह	200

अतिथियों का आगमन

- दिनांक 13.4.2011 को **श्री विजय कुमार सीपीएम** (एफ ओ आई एस क्रिस, नई दिल्ली) ने संस्थान में भेंट दी व भारतीय रेलों पर कम्प्यूटर के उपयोग से सभी को अवगत कराया। उन्होंने माल परिचालन सूचना प्रणाली की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस पद्धति से रेलवे के साथ साथ हमारे ग्राहकों को भी लाभ मिले हैं।

- दिनांक 18..5.2011को **डॉ. श्रीमती यू.आर.कंचन** (मुख्य विशेषज्ञ, स्त्री रोग) मध्य रेल, ने संस्थान को भेंट दी व सभी लोको पायलट प्रशिक्षार्थियों को तनाव रहित रहने के लिए स्ट्रेस मेनेजमेंट पर महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया।

- दिनांक 24.6.11 को **श्री जी. आर. अग्रवाल** (मु.वि.वित.इंजी.) मध्य रेल ने संस्थान में भेंट दी व क्रियाकलापों की जानकारी ली।

संगोष्ठी / सेमीनार

दिनांक 07.5.2011 को श्री अरूण प्रताप श्रीराम (स.मं.वि.इंजी.) के निर्देशन में "उर्जा की बचत कैसे की जाए" इस विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें प्रशिक्षार्थियों व प्रशिक्षकों ने उर्जा बचत पर अपने अपने विचार व्यक्त किये।

प्रभावी लीडरशीप – एक विचार -

पंकज कुमार सिंह (ए.सी.लोको प्रशिक्षक)

किसी भी संगठन के विकास के लिए आवश्यक है कि उसके प्रबंधन के लोग एक प्रभावी लीडर हों।

लीडरशीप का सबसे आधारभूत प्रवेश स्तर है "पद", आपके पास सिर्फ उतना ही प्रभाव होता है जितना आपके पद के साथ जुड़ा हो। हो सकता है कोई व्यक्ति सिर्फ इसलिए "नियंत्रण में" हो क्योंकि उसे किसी पद पर नियुक्त कर दिया गया हो, उस पद पर रहते समय उसके पास अधिकार हो सकते हैं, परंतु सच्ची लीडरशीप सिर्फ अधिकार या सत्ता होने से ज्यादा बड़ी चीज है। यह तकनीकी प्रशिक्षण और उचित प्रक्रिया का पालन करनेसे भी बड़ी चीज है।

सच्ची लीडरशीप वह होती है, जिसमें दूसरे लोग खुशी खुशी और विश्वास से आपके पीछे चलें।

सच्चा लीडर यह जानता है कि बॉस बनने और बनने में फर्कहोता है जैसे –

- बॉस कर्मचारियों से काम करवाता है, लीडर उन्हें मार्गदर्शन देता है।
- बॉस अधिकारों पर निर्भर करता है, लीडर सद् भावना पर।
- बॉस डर जगाता है, लीडर उत्साह।
- बॉस कता है मैं, लीडर कहता है हम।
- बॉस किसी गलती के लिए दोषी को ढूँढता है, लीडर गलती को ठीक करने का तरीका ढूँढता है
- बॉस जानता है कि किसी काम को कैसे करते हैं, लीडर दिखाता है कि कैसे करना है।
- बॉस कहता है "जाओ", लीडर कहता है "आओ हम चलें।"

अत: विकास के लिए यह आवश्यक है कि आप अपने अधीनस्थों के बॉस नहीं लीडर बनें, जिससे वह आपके पीछे पूरे विश्वास के साथ चलें।

एक उदाहरण द्वारा प्रभावी लीडरशीप का महत्व समझते हैं

" एक सेल्स मीटींग में मैनेजर अपने सेल्स स्टाफ को उनके बुरे प्रदर्शन के लिए फटकार रहा था। "घटिया प्रदर्शन और बहानों से अब मैं तंग आ चुका हूँ" उसने कहा – अगर आप लोग सामान नहीं बेच सकते तो शायद बाहर दूसरे सेल्स मैन होंगे जो बेहतरीन सामान बेचने के इस अवसर का लाभ खुशी-खुशी उठाना चाहेंगे। फिर एक नये आये सेल्स मैन, जो रिटायर्ड प्रोफेशनल फुटबाल खिलाड़ी था, की तरफ इशारा करते हुए उसने कहा, " अगर कोई फुटबाल टीम नहीं जीतती, तो क्या होता है ? खिलाड़ियों को बदल दिया जाता है। है ना ?

यह प्रश्न कुछ सेकण्ड हवा में तैरता रहा, फिर पूर्व फुटबाल खिलाड़ी ने जवाब दिया " दरअसल सर, अगर पूरी टीम को समस्याआती थी, तो हम आम तौर पर कोच को बदल देते थे।"

बधाई / स्वागत / विदाई

- श्री एस.टी.बाविस्कर (स.का.अधि.),श्री वीरेंद्र वडनेरे (वरि. संस्थापन प्रशिक्षक) श्री सुकदेव तुलसीराम (खलासी) को मुख्य कार्मिक अधिकारी पुरस्कार पाने पर बधाई।
- लल्लन प्रसाद श्रीवास्तव ने अपने बेटे का विवाह मात्र 11 रूपये लेकर किया व दहेज प्रथा का विरोध किया उनके इस प्रशंसनीय कार्य के लिए उन्हें बधाई
- श्री ज्वाला प्रसाद, श्री एस.बी.गुप्ता, श्री लखनजी झा, श्री बी.एन. सिंह, श्री ए.के.झा, (सभी वरि. यातायात प्रशिक्षक) श्री एस.के.शर्मा, श्री डी.आर.पुष्कर (वरि.डीजल लोको प्रशिक्षक) श्री योगेश देशमुख (वरि.लिपिक) को मुख्य परिचालन प्रबंधक पुरस्कार पाने पर बधाई।
- श्री डी.जे. वारके एवं श्रीमती नीरू सक्सैना (वरि. वाणिज्य प्रशिक्षक) को मुख्य वाणिज्य प्रबंधक पुरस्कार प्राप्त करने पर बधाई।
- रेलवे बोर्ड के व्यक्तिगत नकद पुरस्कार (राजभाषा) से संस्थान के श्री ज्वाला प्रसाद (वरि.याता.प्रशिक्षक) को पुरस्कृत करने पर बधाई।
- श्री विजय दुबे वरि. प्रशिक्षक (सिमुलेटर) के संस्थान में आगमन पर स्वागत।
- श्री एस.डी.पगारे वरिष्ठ प्रशिक्षक (ओ.एच.ई.) के संस्थान में आगमन पर स्वागत।
- श्री के.आर.बालसुब्रमणी (प्राचार्य) के दिनांक 30 जून 2011 को 37 वर्ष की प्रदीर्घ रेल सेवा के उपरांत सेवानिवृत्ती पर उन्हें विदाई।

संपादक मंडल

संरक्षक	: श्री सत्य प्रकाश (मुख्य परिचालन प्रबंधक)
मार्गदर्शन	: श्री पी.के.रानडे (मुख्य यातायात योजना प्रबंधक)
मुख्य संपादक	: श्री के.एम..सक्सैना (प्राचार्य)
	श्री के.के.वर्मा (उप प्राचार्य)
संपादक	: श्री अरूण प्रताप श्रीराम (सहा.मंडल विद्युत इंजी.)
संकलक	: श्री विजय काशीनाथ मोरे (वरि.यातायात प्रशिक्षक)
ग्रफिक्स/सज्जा	: श्री शशिकांत केशव माली (वरि.सिमुलेटर प्रशिक्षक)
छायांकन	: श्री अतुल एम. दांडवेकर (वरि.यातायात प्रशिक्षक)
सहयोग	: श्री अरुण कुमार सिंह (मु..यातायात प्रशिक्षक)